

प्रमक,

अर्जुन सिंह
संयुक्त सचिव
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
शिक्षिता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
उत्तरांचल, देहरादून।

शिक्षिता अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक : 23 मार्च, 2005

विषय: सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गरमपानी जनपद नैनीताल में आवासीय भवनों की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-74/1/सी०एच०सी०/99/2002/27328 दिनांक 8. नवम्बर 2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गरमपानी जनपद नैनीताल के भवन निर्माण हेतु ₹ 31,77,000.00 (रु० इकत्तीस लाख सत्तहत्तर हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन तथा चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में ₹ 20,00,000.00 (रु० बीस लाख मात्र) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति गिनांकित शातों पर प्रदान करते हैं।

- 1- एकनुस्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर लें।
- 2- कार्य करते समय सी०नि०विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।
- 3- धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा तत्पश्चात् निर्माण इकाई तानीण अभियंत्रण सेवा, उत्तरांचल को उपलब्ध कराई जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपभोग प्रत्येक दश में 15वीं वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा।
- 4- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित धाकधर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हरतपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों के बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- आगमन में उल्लिखित दरों का निरलेखन सम्बन्धित विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों में जो दरें सिद्धूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 6- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

- 7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- एक मुस्त प्राविधन को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गणित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 9- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दशों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 10- कार्य करने से पूर्व स्थल का नती नोंति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं नूगमंवेत्ता के साथ आवश्यक करा लें। निरीक्षण के पश्चात् आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुसार कार्य किया जाय।
- 11- आगणन को जिन नदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए। निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाय, उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।
- 12- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक वरसा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है।
- 13- निर्माण के समय यदि किसी कारणवश परिकल्पनाओं/विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस वरसा में शासन की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।
- 14- निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नींव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय।
- 15- धनराशि का आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार एवं नितव्यता को ध्यान में रखकर किया जाए।
- 16- उक्त नदनों के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनर्प्राप्त करने का आवश्यकता न पड़े।
- 17- उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत -02 ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ 104- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 0302-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण (विस्तार अंश) 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न पुनर्वित्तियोजन प्रपत्र बी0एम0 15 के कालन-एक के अनुसार लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत -03 चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान 105- एलोपैथी 05- लखनपुर में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु बेंस चिकित्सालय का उच्चीकरण 24-वृहत निर्माण कार्य की बचत से वहन किया जायेगा।
- 18- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0- 1018/वित्त अनुभाग-2/2005 दिनांक 20.3.05 में प्राप्त सहनाते से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूक्तार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, नाजरा देखादून ।
2. निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून ।
3. वरिष्ठ लेखाधिकारी, देहरादून ।
4. जिलाधिकारी, नैनीताल ।
5. मुख्य निमित्तसा अधिकारी, नैनीताल ।
6. प्राचीन अभियंत्रण सेवा, नैनीताल ।
7. निजी सचिव माओ मुख्य मुख्यमंत्री ।
8. वित्त अनुभाग-2/नियोजन विभाग/एन.आई.सी. ।
9. माल फाइल ।

आज्ञा से

(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव

राजगेश्वरी संख्या 1032/XXVIII(3)-2004-03/2003 दिनांक 22.3.05 का संलग्नका
निरदेशकअभिचार्य, महानिरदेशक, जिलास्वा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल, देहरादून

(वित्तीय वर्ष 2004-05)

अनुदान को - 12

बजट प्राविधान तथा संबंधी शीर्षक का विवरण (मानक मद)	मानक मदवार व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में व्यय	अवशेष (संरक्षित) धनराशि	लेखा शीर्षक निम्न धनराशि स्याचान्वारित किंवा व्याप्त है (मानक मद)	पुन- विनियोजन के बाद कुल धनराशि	पुन-विनियोजन के बाद कॉलम-1 को अवशेष धनराशि	आभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
4210- शिकला कला लोक स्वास्थ्य पर पुनर्वास परिवार-आयोजना -03 शिकला सेवा, शिकला आयोजना 105- एनएम, 05-एनएम कोईकाय को स्वास्थ्य हेतु सेवा शिकला का कार्यक्रम 24-वृद्ध निर्माण कार्य				4210-विकला तथा लोक स्वास्थ्य पर पुनर्वास परिवार आयोजना 02- ग्रामीण स्वास्थ्य सेवामें -1.04 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 0302-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण (वित्तार अंश) 24-वृद्ध निर्माण कार्य			परिवार के साथ अधिक वजन प्राधान्य होने के कारण बैसा विकला तथा लड़कियों में कॉलम को रखाया योजना के अंतर्गत धनराशि को वृद्ध है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण योजना में कम प्राविधान के कारण धनराशि की आवश्यकता है।
19452	-	-	19452	2000	29823	17452	
योग 19452	-	-	19452	2000	29823	17452	

प्रत्यक्ष प्रमाण द्वारा है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग ने बजट नियोजन के परिच्छेद

151.156 में परिवर्तित परिच्छेद एवं योजनाओं का वर्णन नहीं होता

(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव

(07)

उत्तरांचल शासन

चिपल अनुभाग - 2

संख्या 16/8 /चिपल अजु-2/05

देहरादून : दिनांक 2005

पुनर्विनियोजन स्वीकृति

सेवा में,

गृहसंरक्षणकार

उत्तरांचल (सेवा एवं इन्फ्रस्ट्रक्चर)

मालवा राहानपुर रोड, देहरादून।

सं. 1032/xviii(3)-2004-03/2003 दिनांक का संलग्नक।

प्रतिनिधि निर्माणखिप को सूचना एवं आचरण न करवाही हेतु प्रेषित:-

1. निदेशक, कोषागार एवं चिपल सेवाएं, उत्तरांचल।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
3. चिपल अनुभाग-2
4. गार्ड फाइल

एलएलएल रत
अपर सचिव,
चिपल विभाग

आज्ञा में
